Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 14 , मंगलवार, 06 फरवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

यूपी: भाजपा नेता ने दरोगा को पीटा और फाड़ी वर्दी, पार्टी से निष्कासित

कौशाम्बी। चौकी में घुसकर प्रभारी को पीटने, उसका वायरलेस सेट तोड़ने और वर्दी फाड़ने के आरोपित भाजपा नेता को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। वह जिला पंचायत सदस्य है। पुलिस अब उसकी तलाश में जुटी है। टेवा चौकी प्रभारी रामजीत गौड़ को एसपी प्रदीप गुप्ता ने टेवा निवासी राजकुमार की संदिग्ध हालात में मौत की जांच सौंपी थी। रविवार को चौकी प्रभारी ने आरोपित कामता प्रसाद को पूछताछ के लिए बुलाया था। भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री व जिला पंचायत सदस्य साजन मौर्य कामता प्रसाद की ओर से पैरवी कर रहे थे। कामता को चौकी बुलाने पर नाराज साजन मौर्य चौकी पहुंचे और दरोगा से अभद्रता शुरू कर दी। चौकी प्रभारी ने समझाने का प्रयास किया तो उसको पीटना शुरू कर दिया। मारपीट में दरोगा का वायरलेस सेट टूट गया। इतना ही नहीं दरोगा की वर्दी भी फाड़ दी गई। इसके बाद भाजपा नेता के समर्थकों ने जमकर हंगामा भी किया। इस घटना से भाजपा की प्रदेशभर में किरकिरी होने लगी। उसने इस प्रकरण से पल्ला झाड़ते हुए आरोपित साजन मौर्य को पार्टी से निकाल दिया है। जिलाध्यक्ष रमेश पासी ने सोमवार को बताया कि साजन को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है।

यूपी: बस में हो रहे हॉल से गिरा मासूम, कुचलकर गई जान

अलीगढ़ (एजेंसी)। कस्बा अतरौली में सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां पर एक प्राइवेट बस में हो रहे होल से होकर एक मासूम की बस के नीचे आकर मौत हो गई। दिल्ली से एक परिवार शादी समारोह में आया था। गभाना के राजमऊ निवासी उदयवीर अपनी पत्नी दुर्गेश और साढ़े तीन साल के युवान के साथ गांव दुधवा में आ रहे थे, तभी गांव उन्हेल के पास बच्चा बस में हो रहे छेद से निकल गया और बस के नीचे आ गया। बच्चे के गिरते ही मां-बाप और यात्रियों ने शोर मचाया तो ड्राइवर ने बस रोकी । लोगों ने बच्चे को बाहर निकाला तो उसकी जान निकल चुकी थी। गुस्साए यात्रियों ने बस के ड्राइवर को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह फरार हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने बालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक युवान चार बहनों में इकलौता भाई था। युवान की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया है।

बैंडबाजे के कानफोड़ू शोर से बिदका घोड़ा, गिरते-गिरते बचा दूल्हा

कानपुर। बारात में बैंडबाजे के शोर से बेचैन बग्घी खींचने वाला का घोड़ा ऐसा बिदका कि लगाम और बेल्ट टूट गईं। घोड़े को शांत कराने में सभी के पसीने छूट गए। फूलबाग जैसे भीड़भाड़ वाले इलाके की इस घटना से सड़क कुछ देर के लिए जाम लग गया। घोड़े को शांत न होने पर दूल्हे को कार में बैठाकर फिर बारात आगे रवाना हुई। फूलबाग चौराहे से बिरहाना रोड की एक बारात गुजर रही थी। बारत पास के एक मैरिज हॉल तक जानी थी। चौराहे पर ट्रैफिक और बारात में शामिल बैंडबाजे के शोर से घोड़ा बिदक गया। कानफोड़ू शोर के बीच बैंडबाजे की धुन पर बाराती डांस कर रहे थे। इसी बीच घोड़ा बिदकने लगा, यह देख बग्घी चला रहे युवक ने तुरंत दूल्हे को बग्घी से उतारा। दूल्हे के उतरते ही घोड़ा गोल-गोल घूमने लगा। घोड़े को बेकाबू होते देख बग्घी चालक के होश फाख्ता हो गए, उसने घोड़े को काबू में करने का प्रयास किया लेकिन वह सड़क पर चक्कर खाकर गिर गया। इससे सड़क पर जाम जैसी स्थिति बन गई। बाद में बग्घी चालक और दूसरे लोगों ने घोड़े को उठाकर किनारे किया। कुछ देर बारात भी रुकी रही। बाद में दूल्हे को कार में बैठाकर बैंडबाजे के साथ बारात आगे रवाना हुई।

दरवाजा तोड़ घर से नकदी व जेवर चोरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कालकाजी थाना इलाके में सेंधमार दिन-दहाड़े एक घर का दरवाजा तोड़कर नकदी व लाखों के जेवर चोरी कर फरार हो गए। वारदात के वक्त घर का मालिक पत्नी के साथ पीटीएम में बेटे स्कूल गए थे। पुलिस को दी गई तहरीर में पीड़ित दंपति ने पुलिस को बताया कि शनिवार की सुबह दोनों बेटे के स्कूल गए थे। वापस लौटे तो घर का दरवाजा टूटा था। सामान की जांच करने पर तो पता चला कि 80 हजार रु पए व सोने-चांदी के जेवर गायल हैं। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।

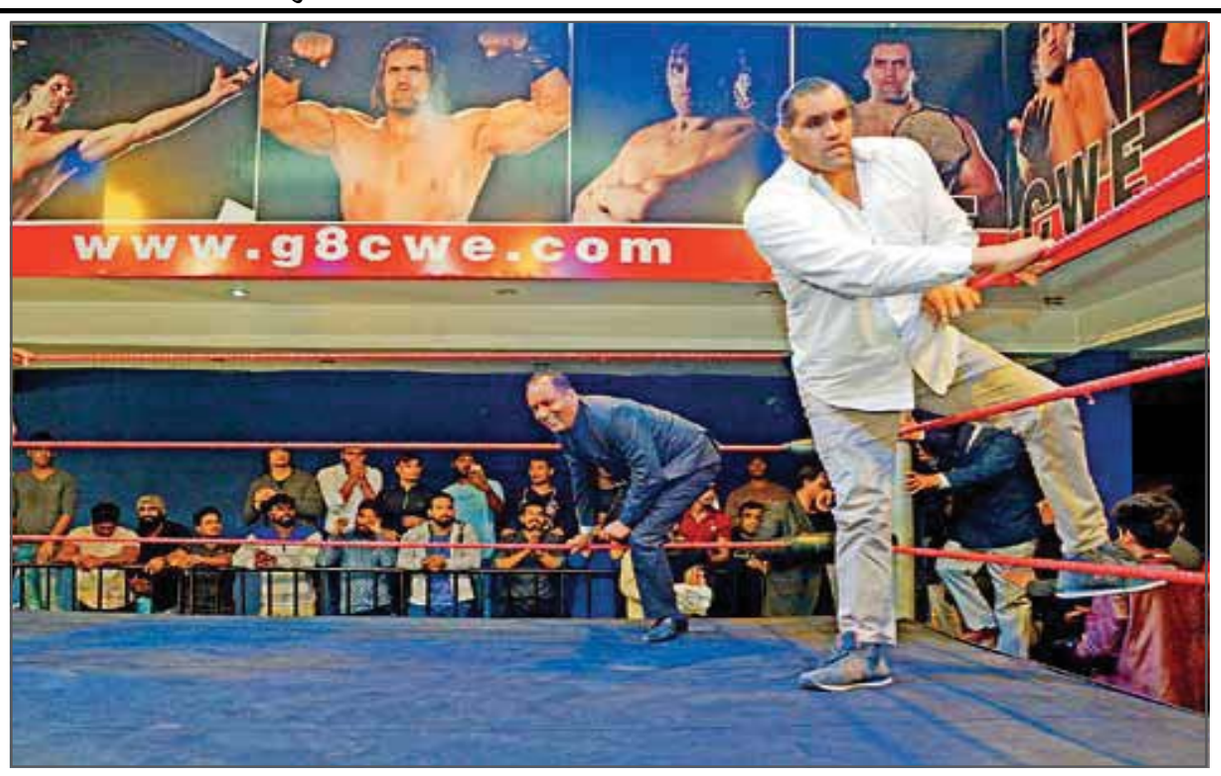

ग्रेट खली के रिंग में हिमाचल के सीएम जय राम ठाकुर

जालंधर। गांव कंगणी वाल स्थित वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियन दलीप सिंह राणा उर्फ 'द ग्रेट खली' की कांटि नेंटल रेस्लिंग एकेडमी में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर व खेल मंत्री गोबिंद ठाकुर ने शिरकत की। यह पहला मौका था जब किसी राज्य के सीएम ने खली की अकादमी में शि रकत की। गोबि ंद ठाकुर ने खली को हि माचल के मंडी के साथ शिमला व सोलन में डब्ल्यू डब्ल्यू ई की तर्ज पर एकेडमी खोलने का न्योता दिया।

आज से शुरू होंगी यूपी बोर्ड परीक्षाएं, चाक-चौबंद हुई तैयारियां

लखनऊ। यूपी बोर्ड की परीक्षाओं मंगलवार से शुरू हो रही हैं। ऐसे में शिक्षा विभाग से लेकर प्रशासनिक अधिकारी रविवार को भी तैयारियों में जुटे रहे। जिला विद्यालय निरीक्षक ने कई परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर प्रश्न पत्रों व कमरों को सील भी किया। साथ ही हिदायत दी कि प्रश्न पत्रों के रखरखाव में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यूपी बोर्ड परीक्षाओं में इस बार कुल 106424 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इनमें हाईस्कूल के 58019 व इंटरमीडिएट के 48405 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। डीआईओएस डॉ. मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि रविवार को जीजीआईसी शाहमीना, दयानंद गर्ल्स कॉलेज और एमकेएसडी स्कूल का औचक निरीक्षण किया गया। स्कूल प्रबंधन को निर्देश दिए गए कि वह प्रश्न-पत्र व कापियों को एक कमरे में रखें।

तीन सदस्यीय कमेटी करेगी निगरानी

बोर्ड परीक्षाओं की कापियों व प्रश्न पत्रों से किसी तरह की छेड़छाड़ व गड़बड़ियां न हो इसलिए डीआईओएस ने केंद्र व्यवस्थापक को तीन सदस्यीय कमेटी गठन करने का आदेश दिया है। कमरा किस समय खुला, किसने और किस लिए खोला गया और कब बंद किया गया। यह सब एक रजिस्टर में दर्ज करना होगा। इस पर इन तीनों सदस्यों के हस्ताक्षर होंगे।

24 घंटे गार्ड की तैनाती

डीआईओएस ने सभी परीक्षा केंद्र व्यवस्थापकों व स्कूल प्रबंधन को एक पत्र जारी कर विशेष निर्देश दिए गए हैं। इसमें कहा गया है कि जिस कमरे में कापी व प्रश्न पत्र रखे गए उनकी निगरानी के लिए 24 गार्ड होना चाहिए।

बंद न हों सीसीटीवी कैमरे

डीआईओएस ने आदेश दिया है कि कक्षाओं में लगे सीसीटीवी कैमरे छात्रों की तरफ होने चाहिए। साथ ही रिकॉर्डिंग में किसी तरह का कट नहीं होना चाहिए। वहीं कैमरे किसी भी समय बंद नहीं किए जाएंगे। कभी भी किसी भी परीक्षा केंद्र की रिकॉर्डिंग सचल दस्ते व अन्य अधिकारी जांच कर सकते हैं।

हाईस्कूल	58019
इंटरमीडिएट	48405
कुल	106424
परीक्षा केंद्र	136
संवेदनशील	24
अतिसंवेदनशील	17
केंद्र व्यवस्थापक	136
अति. केंद्र व्यवस्थापक	64

यूपी : सांसद हुकुम सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए कैराना पहुंचे गृहमंत्री राजनाथ सिंह

शामली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद हुकुम सिंह हजारों नम आंखों के बीच रविवार को पंचतत्व में विलीन हो गये हैं। सांसद हुकुम सिंह के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने केन्द्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह कैराना पहुंचे, उनके साथ प्रदेश के गन्ना राज्य मंत्री सुरेश राणा भी थे। उत्तर प्रदेश के कैराना लोकसभा सीट से सांसद हुकुम सिंह का कल शाम नोएडा के एक निजी अस्पताल में लम्बी बीमारी के बाद देहांत हो गया था। उनका पार्थिव शरीर रात में ही यहां लाया गया था। सुबह 7:30 बजे अंतिम स्नान के बाद उनका पार्थिव शरीर 11 बजे तक अंतिम दर्शन के लिए उनके निवास पर ही रखा गया। इससे पहले भाजपा सांसद हुकुम सिंह का पार्थिव शरीर आज उनके कैराना मायापुर फार्म हाउस पर पहुंचने के बाद अंतिम दर्शन के लिए लोगों की भीड़ जमा होनी शुरू हो गई थी। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी प्रदेश के मंत्री सुरेश राणा के साथ स्वर्गीय सिंह के आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवारजनों को सांत्वना दी। हुकुम सिंह का अंतिम संसकार कुछ ही देर बाद किया जाएगा। गौरतलब है कि शनिवार की रात उत्तर प्रदेश से भाजपा सांसद हुकुम सिंह का नोएडा के जेपी अस्पताल में निधन हो गया। वह सांस संबंधी तकलीफ का सामना कर रहे थे। अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि 79 वर्षीय नेता तकरीबन एक महीने से अस्पताल में भर्ती थे। वह कैराना सीट से निर्वाचित हुए थे। उनकी पांच बेटियां है। सिंह उत्तर प्रदेश से सात बार विधायक रहे और 2014 के चुनावों में लोकसभा में प्रवेश से पहले राज्य में मंत्री थे। पिछले साल उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनावों के पहले उन्होंने अपने लोकसभा क्षेत्र के कुछ हिस्से और पड़ोस से हिंदुओं के कथित पलायन का मुद्दा उठाया था।

इलाहाबाद:कुछ यूं 'कुल्हड़ जंक्शन'

खींच रहा कॉफी के दीवाने शहरियों को अपनी ओर

इलाहाबाद। इन दिनों शहर में नया चलन शुरू हुआ है। शहरियों को कुल्हड़ में कॉफी की चुस्की खूब भा रही है। कुल्हड़ में कॉफी पीने वालों को मिट्टी की सोंधी महक के साथ नया स्वाद भी मिल रहा है। गली-मोहल्लों के किनारे 'कुल्हड़ कॉफी शॉप' और 'कॉफी जंक्शन' शुरू हो गए हैं। कुछ दुकानदारों की यह नई सोच जहां सेहत और पर्यावरण के नजरिए से अच्छा कदम है वहीं कुम्हारों के लिए भी यह कदम राहत देने वाला साबित हो रहा है। ताशकंद मार्ग पर पर 'कॉफी जंक्शन' खुला है तो सिविल लाइंस में महात्मा गांधी मार्ग और विवेकानंद चौराहे पर 'कुल्हड़ कॉफी शॉप' खुली है। दुकानदारों ने अलग-अलग वैरायटी के कुल्हड़ रखे हैं। इन दुकानों पर खासकर युवाओं की काफी भीड़ जुट रही है।

कई लिहाज से फायदेमंद

कॉफी जंक्शन के संचालक ललित कुशवाहा का कहना है कि प्लास्टिक और थर्माकोल में चाय-कॉफी पीना सेहत के लिए नुकसानदायक है, वहीं नष्ट न होने के कारण पर्यावरण के लिए भी ठीक नहीं है। ऐसे में कुल्हड़ में कॉफी की शुरुआत की गई। नए चलन से कुम्हारों को भी फायदा होगा। मिट्टी के कुल्हड़ नष्ट करने में आसान हैं, इससे कुम्हारों को रोजगार भी मिलता है।

दो प्रकार के हैं कुल्हड़

ग्राहकों को लुभाने के लिए दो प्रकार के कुल्हड़ स्टालों पर लगाए गए हैं। बड़ा कुल्हड़ नीचे स्टैंड वाला है। उसे पकड़ने और रखने में आसानी होती है। उसकी लागत लगभग तीन रुपये आती है और छोटा कुल्हड़ सामान्य कुल्हड़ है, जिसकी कीमत लगभग 1.50 रुपये आती है। बड़े कुल्हड़ में कॉफी का रेट 15 रुपये है तो छोटे कुल्हड़ में 10 रुपये है।

याद आए पुराने दिन

कुल्हड़ कॉफी शॉप पर कॉफी की चुस्की लगा रहे शरद श्रीवास्तव ने बताया कि बचपन में जब गांव जाते थे तो शादी में पानी भी कुल्हड़ में पीने को मिलता था। कई बार पानी पीने के साथ कुल्हड़ की सोंधी महक बहुत अच्छी लगती थी। अब कुल्हड़ में कॉफी पीने को मिली तो पुरानी यादें ताजा हो गईं।

कॉफी बिस्ट्रो की तर्ज पर हैं दुकानें

इटली में कॉफी बिस्ट्रो काफी लोकप्रिय हैं। वहां खड़े होकर कॉफी पीने का चलन है। इसी तर्ज पर इलाहाबाद में खुली इन दुकानों को माना जा रहा है, जहां कुर्सी-मेज नहीं है, बस कुल्हड़ में पीने के लिए कॉफी मिल रही है।

इनका कहना है-

प्लास्टिक में खाने-पीने की कोई भी चीज नुकसान करती है। जैसे तम्बाकू के इस्तेमाल से कैंसर होता है वैसे ही प्लास्टिक में लगातार गर्म चाय-कॉफी पीने से कैंसर का खतरा बढ़ता है। ऐसे में दूसरे विकल्प कहीं ज्यादा बेहतर और स्वास्थ्य के लिए उपयोगी हैं। डॉ. बीके मिश्र, कैंसर विशेषज्ञ

तापमान में मामूली गिरावट, कोहरे से रेल सेवाएं प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी के न्यूनतम तापमान में रविवार को 9 डिग्री सेल्सियस गिरावट दर्ज की गई है। साथ ही हल्के कोहरे के कारण सुबह के समय ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि लोधी रोड वेधशाला में न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पालम, आयानगर और रिज मौसम केन्द्रों में न्यूनतम तापमान क्रमश: आठ, नौ और 10.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने बताया है कि सुबह में हल्की हवा चलती रही और हल्का कोहरा छाया रहा। सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 87 प्रतिशत दर्ज किया गया। रात में बारिश नहीं हुई। रेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुबह साढ़े छह बजे उत्तर दिशा की ओर से आने और जाने वाली तीन ट्रेनों को रद्द कर दिया गया जबकि 23 ट्रेनें विलंब से चल रही हैं।

तीन अन्य के समय में फेरबदल किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों ने दिन के दौरान आसमान साफ रहने और अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस बने रहने का अनुमान जताया है।

कल का अधिकतम और न्यूनतम तापमान वमश: 24.6 और 9.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम अधिकारी ने बताया कि सोमवार का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 23 और नौ डिग्री सेल्सियस के करीब बने रहने का अनुमान है।

>>>> एम्स के डॉक्टर सरकार के खिलाफ आज को सड़क पर उतरेंगे

नए कानून को लेकर सरकार व डॉक्टर आमने सामने

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। देश में चिकित्सा का नया कानून सरकार लागू करने जा रही है। उसके लिए लोकसभा में इसे पेश भी किया जा चुका है लेकिन डॉक्टरों के विरोध के चलते इसे संशोधन के लिए स्टैंडिंग कमेटी में भेजा जा चुका है। अब इस सप्ताह लोकसभा में दोबारा इस नेशनल मेडिकल काउंसिल (एनएमसी) को पेश किया जाना है लेकिन उससे पहले केंद्रीय स्वास्य मंत्रालय और डॉक्टरों के बीच सवाल-जवाब का सिलसिला शुरू हो चुका है। बीते बृहस्पतिवार को मंत्रालय ने करीब 30 सवालों के जवाब देते हुए इस कानून को मरीजों के लिए महत्वपूर्ण बताया। वहीं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने पलटवार करते हुए मंत्रालय के हरेक जवाब पर अपना पक्ष रखते हुए कानून में संशोधन जरूरी बताया है।

आरपार की लड़ाई की फुल प्रूफ तैयारी : इन सब के बीच एम्स के डॉक्टरों ने एनएमसी के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन करने की घोषणा कर दी है। छह फरवरी को एम्स के रेजीडेंट डॉक्टरों के अलावा देश के करीब 10 हजार डॉक्टर, सरकारी और गैर सरकारी डॉक्टरों के संगठन के करीब 2 लाख 70 हजार सदस्यों आदि ने इस आंदोलन में शामिल होने की अपनी रजामंदी दी है। सर्विस डॉक्टर्स एसासिएशन के अध्यक्ष डा. राजीव सूद ने कहा कि हम सरकार के समक्ष झुकने वाले नहीं हैं। एम्स रेजीडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. हरजीत सिंह भट्टी ने बताया कि 6 फरवरी को दोपहर 1 बजे एम्स से संसद तक डॉक्टर विरोध मार्च निकालेंगे। छह किलोमीटर लंबी इस विरोध रैली को लेकर वे मंत्रालय को भी पत्र लिख चुके हैं।

छह फरवरी को एम्स के रेजीडेंट डॉक्टरों के अलावा देश के करीब 10 हजार डॉक्टर, सरकारी और गैर सरकारी डॉक्टरों के संगठन के करीब 2 लाख 70 हजार सदस्यों आदि ने इस आंदोलन में शामिल होने की अपनी रजामंदी दी है।

>>>> दक्षिण-पूर्व दिल्ली के जैतपुर इलाके में ऐसे 32 रिक्शा जब्त

जुगाड़ वाहन जन सुरक्षा के लिए खतरा : अदालत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने पुलिस को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि शहर में स्कूटर के इंजनों के साथ चलाए जा रहे जुगाड़ वाहनों या साइकिल रिक्शा पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जाए।

अदालत ने इन्हें जन सुरक्षा के लिए ''खतरा' बताया है। अदालत ने एक पुलिस रिपोर्ट का संज्ञान लिया कि अकेले दक्षिण-पूर्व दिल्ली के जैतपुर इलाके में ऐसे 32 रिक्शा जब्त किए गए। अदालत ने कहा कि दिल्ली भर में अवैध स्कूटर इंजनों के साथ हजारों तिपहिया वाहनों की संभावना को खारिज नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि मोटर व्हीकल कानून के तहत जुगाड से चलने वाले ये रिक्शे किसी भी मोटर वाहन की सीमा में नहीं आते और इसलिए ये दिल्ली की सडकों पर नहीं दौड सकते। अदालत ने इस संबंध में पुलिस से 17 फरवरी तक कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है। यह आदेश एक दुर्घटना के मामले में आया जिसमें लापरवाही से चल रहे जुगाड़ रिक्शा ने पिछले महीने जैतपुर में एक मोटरसाइकिल चालक का पैर कुचल दिया था।

मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण एमएसीटी के पीठासीन अधिकारी आर के चौहान ने कहा, ''दक्षिण दिल्ली नगर निगम और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के अधिकार क्षेत्र के तहत साइकिल रिक्शा चलाने की अनुमति भी नहीं है। केवल जैतपुर पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र के तहत ऐसे 32 जुगाड़ वाहन गैरकानूनी रूप से सड़कों पर दौड़ते मिले। इस बात की संभावना है कि अवैध स्कूटर इंजनों के साथ ऐसे हजारों साइकिल रिक्शा पूरी दिल्ली में दौड रहे हैं।' उन्होंने कहा, ''जुगाड से चलने वाले वाहन पैदल चालकों और अन्य लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा है जैसा कि इस मामले में हुआ जिसमें ऐसे साइकिल रिक्शा ने मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों को टक्कर मारी। इनमें से एक का पैर पूरी तरह कुचला गया।' अदालत ने कहा कि दिल्ली पुलिस आयुक्त और आयुक्त परिवहन दिल्ली सरकार को ऐसे रिक्शे के खतरे के बारे में बताना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ये सडकों पर न चलें।

तुम्हारा शरीर तुम्हारी आत्मा का सितार है। यह तुम्हारे हाथ की बात है कि तुम उससे मधुर स्वर झंकृत करो या बेसुरी आवाजें निकालो -खलील जिब्रान

कानून के हिसाब

यकीनन यह खुशखबरी है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने ताजा फैसले में साफ किया है कि पुश्तैनी संपत्ति में बेटियों को हक सिर्फ2005 में संशोधित कानून की अवधि के बाद ही नहीं मिलेगा, बल्कि पिछले दावे भी इसी कानून के हिसाब से तय होंगे। यानी उन्हें अपने हक के लिए किसी तारीख पर निर्भर नहीं रहना होगा। हमारे समाज में बेटियों को संपत्ति के हक से वंचित करने की परंपराएं ही नहीं, दलीलें भी दी जाती रही हैं। कई लोग पुश्तैनी संपत्ति में हक के बदले स्त्री-धन की परंपरा का हवाला देते हैं लेकिन उसमें दो पेच हैं। एक तो पुरु ष-सत्ता वाले समाज में उस पर पति या परिवार का प्रत्यक्ष या परोक्ष अधिकार हो जाता है। दूसरे, वह पुश्तैनी संपत्तियों जितनी सुरक्षा प्रदान करने में पर्याप्त नहीं होता। फिर बेटियों को हर मामले में बेटों के बराबर अधिकार होने से स्त्री-पुरु ष समानता के अलावा समाज में बेटों के प्रति मोह भी कुछ घटेगा। लिहाजा, इससे पुरु ष वर्चस्व वाली व्यवस्था की बुनियाद भी हिलेगी। हाल में बेटों के प्रति मोह का एक उदाहरण इस साल के आर्थिक सव्रेक्षण में उभर कर सामने आया। हालांकि इसका एक सुखद पहलू स्त्री जनसंख्या में कुछ बढ़ोतरी के रूप में सामने आया, जो घटते स्त्री-पुरु ष अनुपात और कन्या भ्रूण हत्या के दौर में वाकई शुभ कहा जाएगा। आर्थिक सव्रेक्षण बताता है कि बेटों की चाह में बेटियों की आबादी 2.1 करोड़ ज्यादा हो गई। बेटियों की जनसंख्या के मामले में यकीनन यह खुशखबरी है और इससे स्त्री-पुरु ष अनुपात कुछ बेहतर भी हुआ है। लेकिन असली सवाल मानसिकता का है या कहिए उससे भी बढ़कर समाज में पुरु ष वर्चस्व का है। यह तभी टूटेगा जब स्त्रियों को संपत्ति में पूरा अधिकार हासिल होगा। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने एक मायने में क्रांतिकारी फैसला सुनाया है, जिससे हमारे समाज का रंग-ढंग कुछ बदल सकता है। ऐसी ही बुनियादी नुक्ते बदलाव का वॉयस बनते हैं। इसका असर ''बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियानों से ज्यादा होता है। इसलिए सरकार अगर स्त्रियों के लिए और सकारात्मक कानूनी रियायतें देने का कदम उठाए तो उसका ज्यादा असर होगा। संसद और विधायिकाओं में एक-तिहाई महिला आरक्षण विधेयक अभी लटका पड़ा है। यूपीए सरकार के दौरान यह विधेयक लोक सभा में अटक गया था। खासकर पिछड़े वगरे के नेताओं ने कुछ आशंकाएं जाहिर की थीं। सरकार को चाहिए कि सर्वानुमति बनाकर स्त्रियों का यह वाजिब हक उन्हें दिलाए।

ट्राफी पर कब्जा

दह महीने की हाड़तोड़ मेहनत आखिरकार रंग लाई। भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम ने चौथी बार ट्राफी पर कब्जा जमाकर क्रि केट को धर्म मानने वाले देश में लोगों को बेइंतहा खुशियां बांटने का मौका दिया। कोच राहुल द्रविड़ और आठ सदस्यीय सपोर्ट स्टाफके लिए इससे बेहतरीन, यादगार और खुशनुमा पल नहीं होगा। यह हर किसी के लिए सपने सच होने जैसा है। युवा टीम ने जिस तरह से न्यूजीलैंड की तेज पिच पर तीन बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया को छह विकेट से रौंद दिया, वह काबिले तारीफ है। खास बात है टीम हनक के साथ पूरे टूर्नामेंट में नजर आई। इसके आसपास कोई भी टीम नहीं थी। यह दर्शाता है कि भारतीय क्रिकेट के लिए आने वाला कल उम्मीदों से भरा है। टीम के सभी खिलाड़ी गजब के प्रतिभाशाली हैं और इसका सारा श्रेय उस गुरु को जाता है, जिन्होंने न केवल इन बच्चों को खेल की बारीकियां बताई वरन उन्हें जिंदगी के हर अच्छे-बुरे पाठ को भी खूबसूरती के साथ समझाया। साथ ही बच्चों को अनुशासित रहने और लक्ष्य से ध्यान न भटकाने का गुरुमंत्र भी दिया। मगर कोच की कही एक बात वाकई गौर करने वाली है। जीत के बाद द्रविड़ ने कहा कि, उन्हें भरोसा है कि विश्व कप की यह जीत सिर्फयादें बनकर नहीं रहेंगी बल्कि इन खिलाड़ियों को आगे और भी संघर्ष करना पड़ेगा।' साफ-साफ समझा जा सकता है द्रविड़ का आशय क्या है? सफलता, पैसा और चकाचौंध ने पहले भी कई खिलाड़ियों के स्वर्णिम कॅरियर को तबाह किया है। लिहाजा, सबसे बड़ा सबक यही है कि मर्यादित और अनुशासित रहकर ही लक्ष्य को साधा जा सकता है। इन लोगों को लंबा रास्ता तय करना है। क्रिकेट की दुनिया में बादशाहत बनानी है तो तुरंत के लाभ को छोड़ने की प्रवृत्ति त्यागनी होगी। अतीत में भी जिसने इसे याद रखा, सफलता ने उसी के कदम चूमे। फिलहाल तो जीत के जश्न में खो जाने का वक्त है। दबंग प्रदर्शन से इनके कंधों पर जिम्मदारियों का भी बोझ है। चुनांचे इन्हें उस दबाव तले नहीं आना होगा। यह देखना भी दिलचस्प होगा कि इनमें से कितने अगले राऊंड में पहुंच पाते हैं।

सत्संग

परमात्मा परमेश्वर

जीवात्मा के साथ निरंतर रहने वाला परमात्मा परमेश्वर का प्रतिनिधि है। वह सामान्य जीव नहीं है। चूंकि अद्वैतवादी चिंतक शरीर के ज्ञाता को एक मानते हैं अतएव उनके विचार से परमात्मा और जीवात्मा में कोई अंतर नहीं है। इसका स्पष्टीकरण करने के लिए भगवान कहते हैं कि वे प्रत्येक शरीर में परमात्मा रूप में विद्यमान हैं। वे जीवात्मा से भिन्न हैं, पर हैं, दिव्य हैं। जीवात्मा किसी विशेष क्षेत्र के कायरे को भोगता है लेकिन परमात्मा किसी सीमित भोक्ता के रूप में या शारीरिक कर्मो में भाग लेने वाले के रूप में विद्यमान नहीं रहता। अपितु वह साक्षी, अनुमतिदाता और परम भोक्ता के रूप में स्थित रहता है। उसका नाम परमात्मा है, आत्मा नहीं। वह दिव्य है। अत: यह बिल्कुल स्पष्ट है कि आत्मा और परमात्मा भिन्न-भिन्न हैं। परमात्मा के हाथ-पैर सर्वत्र रहते हैं लेकिन जीवात्मा के साथ ऐसा नहीं होता है। चूंकि परमात्मा परमेश्वर है, अतएव वह अंदर से जीव की भौतिक भोग की आकांक्षा पूर्ति की अनुमति देता है। परमात्मा की अनुमति के बिना जीवात्मा कुछ भी नहीं कर सकता। जीव भुक्त है और भगवान भोक्ता या पालक है। जीव अनंत हैं और भगवान उन सबमें भिन्न रूप में निवास करता है। तय यह है कि प्रत्येक जीवन परमेश्वर का नित्य अंश है। और दोनों मित्र रूप में घनिष्ठतापूर्वक संबंधित हैं। लेकिन जीव में परमेश्वर के आदेश को अस्वीकार करने की प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के उद्देश्य से स्वतंत्रतापूर्वक कर्म करने की प्रवृत्ति पाई जाती है। चूंकि उसमें यह प्रवृत्ति होती है अतएव वह परमेश्वर की तटस्था शक्ति कहलाता है। जीव या तो भौतिक शक्ति में या आध्यात्मिक शक्ति में स्थित हो सकता है। जब तक वह भौतिक शक्ति द्वारा बद्ध रहता है, तब तक परेमश्वर मित्र रूप में परमात्मा की तरह उसके भीतर रहते हैं, जिससे उसे आध्यात्मिक शक्ति में वापस ले जा सकें। भगवान उसे आध्यात्मिक शक्ति में वापस ले जाने के लिए सदैव उत्सुक रहते हैं। लेकिन अपनी अल्प स्वतंत्रता के कारण जीव निरंतर आध्यात्मिक प्रकाश की संगति ठुकराता है। स्वतंत्रता का यह दुरुपयोग ही बद्ध प्रकृति में उसके भौतिक संघर्ष का कारण है। अतएव भगवान निरंतर बाहर और भीतर से आदेश देते रहते हैं। बाहर से वे भगवद्गीता के रूप में उपदेश देते हैं और भीतर से जीव को यह विास दिलाते हैं कि भौतिक क्षेत्र में उसके कार्यकलाप वास्तविक सुख के अनुकूल नहीं हैं।

''ऑपरेशन ऑलआउट'

ऐसा होता है तो निश्चय ही जम्मू-कश्मीर के लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण होगा। आखिर सेना के जवानों पर मुकदमा दर्ज की नौबत क्यों आई और क्या यह सही कदम है? आरोप लगाया गया है कि सेना की गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई। इसके अनुसार सेना की कार्रवाई से कुछ और लोगों की मौत हो सकती थी लेकिन वे संयोग से बच गए। वैसे इस घटना की न्यायिक जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं। घटना शोपियां जिले के गावं गनोवपोरा का है। सेना का काफिला वहां से गुजर रहा था। दरअसल, काफिला बड़ा था जिसमें से पांच गाड़ियां पीछे छूट गई थीं। उस पर लोगों ने पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। आरंभ में संख्या कम थी लेकिन धीरे-धीरे उनकी संख्या बढ़ने लगी।

सतीश पेडणोकर

हर भारतवासी को चिंतित करेगी कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने वहां कार्रवाई कर रहे सेना के जवानों पर मुकदमा दर्ज किया है। जिनके खिलाफमुकदमा दर्ज हुआ है वे जवान 10 गढ़वाल यूनिट के हैं और इनमें एक मेजर स्तर का अधिकारी भी शामिल है। मुकदमा 302 यानी हत्या और 307 यानी हत्या के प्रयास के तथा 336 यानी जिंदगी को खतरे में डालने वाले के तहत दर्ज हुआ है। पिछले काफी समय से जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और सीमा सुरक्षा बल के बीच गजब किस्म का समन्वय देखा जा रहा था। कश्मीर में शांति की कामना करने वाले हर व्यक्ति की चाहत है कि यह समन्वय बना रहे और राज्य के अंदर के आतंकवादी और सीमा पार से आतंकवाद को प्रायोजित करने वाले परास्त हों। आपसी समन्वय के कारण ही 2017 में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली और 200 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए। कई युवा आतंकवादी बनने के बाद आम जिंदगी में लौटे हैं। इस एक घटना ने समन्वय की स्थिति पर गहरा प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। यह प्रश्न उठने लगा है कि सुरक्षा एजेंसियां आपसी तालमेल से जो ''ऑपरेशन ऑलआउट' चला रहीं हैं उनका क्या होगा? क्या पुलिस और सेना के बीच फिर से किसी प्रकार के टकराव के दौर की शुरुआत होगी और आतंकवादी एवं अलगाववादी इसका लाभ उठाएंगे? ऐसा होता है तो निश्चय ही जम्मू-कश्मीर के लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण होगा। आखिर सेना के जवानों पर मुकदमा दर्ज की नौबत क्यों आई और क्या यह सही कदम है?

आरोप लगाया गया है कि सेना की गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई। इसके अनुसार सेना की कार्रवाई से कुछ और लोगों की मौत हो सकती थी लेकिन वे संयोग से बच गए। वैसे इस घटना की न्यायिक जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं। घटना शोपियां जिले के गावं गनोवपोरा का है। सेना का काफिला वहां से गुजर रहा था। दरअसल, काफिला बड़ा था जिसमें से पांच गाड़ियां पीछे छूट गई थीं। उस पर लोगों ने पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। आरंभ में संख्या कम थी लेकिन धीरे-धीरे उनकी संख्या बढ़ने लगी। सेना की ओर से जवाबी कार्रवाई न देख वे पूरी तरह हमलावर हो गए थे।

एक जवान को उन्होंने खींच लिया और उस पर हमला कर दिया। जो कुछ दृश्य दिख रहा है, उसमें साफ है कि सेना ने कार्रवाई न की होती तो पत्थरबाज उन्हें पीट-पीटकर मार डालते। अब सेना के पास दो ही विकल्प था; या तो अपने साथी को उन पत्थरबाजों के हाथों मरता छोड़कर भाग जाती या उसे बचाने के लिए कार्रवाई करती। इनके लिए भागना भी आसान नहीं था। कोई भी यह स्वीकार करेगा कि एक विकट स्थिति पैदा हो गई थी, जिसमें सेना को कार्रवाई करनी पड़ी। जो कोई भी सेना के जवानों को दोष देता है, उनसे पूछा जाना चाहिए कि उनकी जगह आप होते तो क्या करते? सेना के खिलाफइनका गुस्सा किस कारण था? कुछ दिन पहले उसी गांव में एक आतंकवादी छिपा हुआ था, जिसे सेना ने मुठभेड़ में मार दिया था। अगर आतंकवादियों के पक्ष में किसी की हमदर्दी है और वह पत्थरों और डंडों से सेना के काफिले पर हमले के रूप में निकालेगा तो फिर उसका जवाब देना पड़ेगा। मौत किसी का हो, दुख तो होगा। किंतु लोगों को सोचना चाहिए कि आप सेना पर हमला करने आएंगे तो जवाब में आपको फूल नहीं मिलेगा। दुर्भाग्य देखिए, प्रदेश की मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती तक ने सेना की कार्रवाई की तीखी आलोचना कर दी। ऐसा ही आचरण उमर अब्दुल्ला का है। ऐसा भी नहीं है कि लोगों के हमले में सेना को क्षति नहीं पहुंची। हिंसक भीड़ के हमले में एक जेसीओ (जूनियर कमीशंड ऑफिसर) समेत सात सैन्यकर्मी घायल हो गए थे। अलगाववादियों को तो बहाना चाहिए। उन्होंने बंद का आह्वान कर दिया। किंतु महबूबा मुफ्ती प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं। क्या उन्हें नहीं पता कि 2017 में आतंकवादियों से जूझते हुए 88 जवान शहीद हुए हैं? इस वर्ष ही 4 जवान लड़ते शहीद हो चुके हैं और तीन बर्फबारी में। सेना के जवानों के बलिदान को कोई भूल सकता है क्या? महबूबा मुफ्ती और उनकी पार्टी पीडीपी सरकार में होते हुए भी प्रदेश से सशस्त्र बल विशेषाधिकार कानून यानी अफस्पा हटाने की पक्षधर हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस भी इसकी मांग कर रही है। ये पार्टियां चाहती हैं कि ऐसे आधार बन जाए, जिनसे वे केंद्र पर इसके लिए दबाव बना सकें। हम यहां अफस्पा के बहस में नहीं पड़ना चाहते। मगर हाल में ऐसी खबर आई है, जिसमें कहा गया कि सरकार अफस्पा को थोड़ा सरल और नरम बनाने पर विचार कर रही है। सेनाध्यक्ष जनरल बिपिन रावत ने इससे इनकार किया है। हमें यह समझना होगा कि सुरक्षा बलों

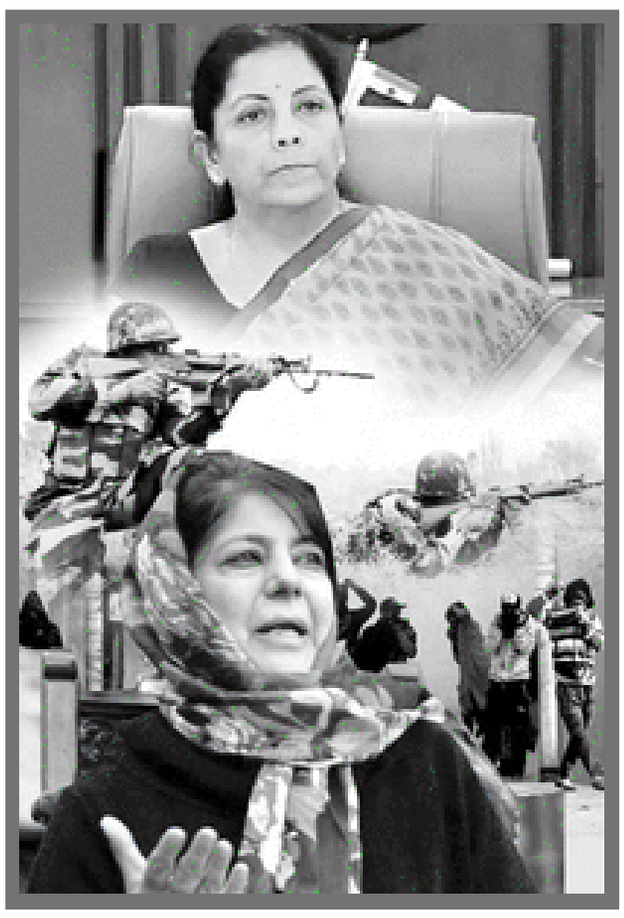

को आतंकवाद के खिलाफसंघर्ष के स्थलों पर कठिनाई में काम करना पड़ता है। बाहर रहकर सेना की आलोचना करना आसान है, लेकिन उनकी जगह स्वयं को रखकर विचार करिए तो सब कुछ आसानी से समझ में आ जाता है। सेना के जवानों के जो बयान हम टीवी पर देखते हैं, उसमें वे कहते हैं कि हम एक भी आम आदमी को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते लेकिन कई बार जब बिल्कुल जान पर बन आती है तो बल प्रयोग करना पड़ता है। आज सेना की कार्रवाई का ही प्रतिफल है कि घाटी में पत्थरबाजी में भारी कमी आई है। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक ने सेना की प्रशंसा करते हुए कुछ दिनों पहले कहा था कि 2017 में पत्थरबाजी में 90 प्रतिशत की कमी आई, उसमें सेना के ''ऑलआउट ऑपरेशन' और एनआइए द्वारा आतंकी फंडिग के मामले में अलगाववादियों के खिलाफहुई कार्रवाई की भूमिका है। उन्होंने साफ कहा था कि बड़े आतंकवादियों के मारे जाने से पत्थरबाजी में कमी आई है। अगर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक ऐसी धारणा रखते हैं तो वे सेना के किसी टुकड़ी के खिलाफआसानी से मुकदमा दर्ज करने के लिए तैयार नहीं होंगे। निश्चय ही इसके पीछे राजनीतिक दबाव होगा। यह दबाव किसका हो सकता है बताने की आवश्यकता नहीं? किंतु देश ऐसे मुकदमे के पक्ष में नहीं हो सकता। इस तरह सेना के जवानों के खिलाफमुदकमे होंगे तो फिर ''ऑपरेशन ऑलआउट' में आतंकवाद के खिलाफलड़ाई जो अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच रही है, उसमें बाधा हो जाएगी। यह उनका मनोबल तोड़ने का काम करेगा। ऐसा हर हाल में नहीं होना चाहिए।

चलते चलते

दकियानूसी का भविष्य

इस नापसंदगी की हद कई बार प्रेमी युगल की हत्या पर जा ठहरती है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा खासतौर इसके लिए बदनाम रहे हैं, विशेषकर खाप की मानसिकता ऐसे मामलों में ज्यादा दागदार रही है। लेकिन देश का दिल कहे गए दिल्ली, जो देश के विभिन्न हिस्सों से आकर बसे लोगों का बहुसांस्कृतिक शहर है।

समाज प्रेम संबंधों को पचा नहीं पाता है। प्रेम विवाह के नाम पर उसका कथित स्वाभिमान कुलांचे मारने लगता है। कभी जाति तो कभी मजहब इसके बहाने बनते हैं। इस नापसंदगी की हद कई बार प्रेमी युगल की हत्या पर जा ठहरती है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा खासतौर इसके लिए बदनाम रहे हैं, विशेषकर खाप की मानसिकता ऐसे मामलों में ज्यादा दागदार रही है। लेकिन देश का दिल कहे गए दिल्ली, जो देश के विभिन्न हिस्सों से आकर बसे लोगों का बहुसांस्कृतिक शहर है; यहां भी अगर जातीय/धार्मिक कट्टरता प्रेम को अस्वीकार करती है तो उसे किसी क्षेत्र विशेष के सामाजिक पिछड़ेपन पर बोलने का हक बिल्कुल नहीं है। आधुनिक सोच वाले युवा अंकित सक्सेना की हत्या-दिल्ली हो या देश का कोई और भाग, समाज में प्रेम करना आज भी कितना मुश्किल है-इसको एक बार फिर साबित करती है। अंकित का सरेराह कत्ल तमाम तकनीकी बदलावों और तरक्की के बावजूद हम सोच के स्तर पर कितने पिछड़े हैं यह भी प्रदर्शित करता है। यह नृशंस वारदात प्रेमी जोड़ों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है। साथ में जातीय/धार्मिक तनाव के सबब भी बनते हैं, जिसका एक लंबा इतिहास रहा है। राजनीति नाम की तीली समाज के ताने-बाने को जलाकर कर राख करने को तत्पर रहती है सो अलग। सवाल यह है कि क्या प्रेमी जोड़ों के भविष्य को दकियानूसी सोच वाले समाज पर छोड़ा जा सकता है? दरअसल, अरसे से महिला आंदोलन की मांग रही है कि इस मध्ययुगीन सोच यानी इज्जत के नाम पर होने वाली हत्याओं के खिलाफ कड़ा कानून बने, जिसमें राज्य पर अंतर-धार्मिक/जातीय प्रेम/विवाह को पूरा संरक्षण देने की जिम्मेदारी हो। इसको सख्ती और समझदारी से अमल में लाने की जरूरत है। क्योंकि इससे उन युगलों को आत्मविास मिलेगा जो इन डर के साये में अपने संबंध की भ्रूण हत्या कर देते हैं। अंतर-धार्मिक/जातीय प्रेम/विवाह आज भी एक छोटे और संपन्न तबके तक ही सीमित है। विभिन्न सरकारों द्वारा घोषित तमाम प्रोत्साहन नीतियां, समाज की जड़ता को तोड़ने में लगभग असफल रही है। अंकित जैसों की हत्या हो सकती है किंतु उस पवित्र भाव को नहीं रोका जा सकता, जो जड़ता की बेड़ियां तोड़ने को आतुर है।

फोटोग्राफी...

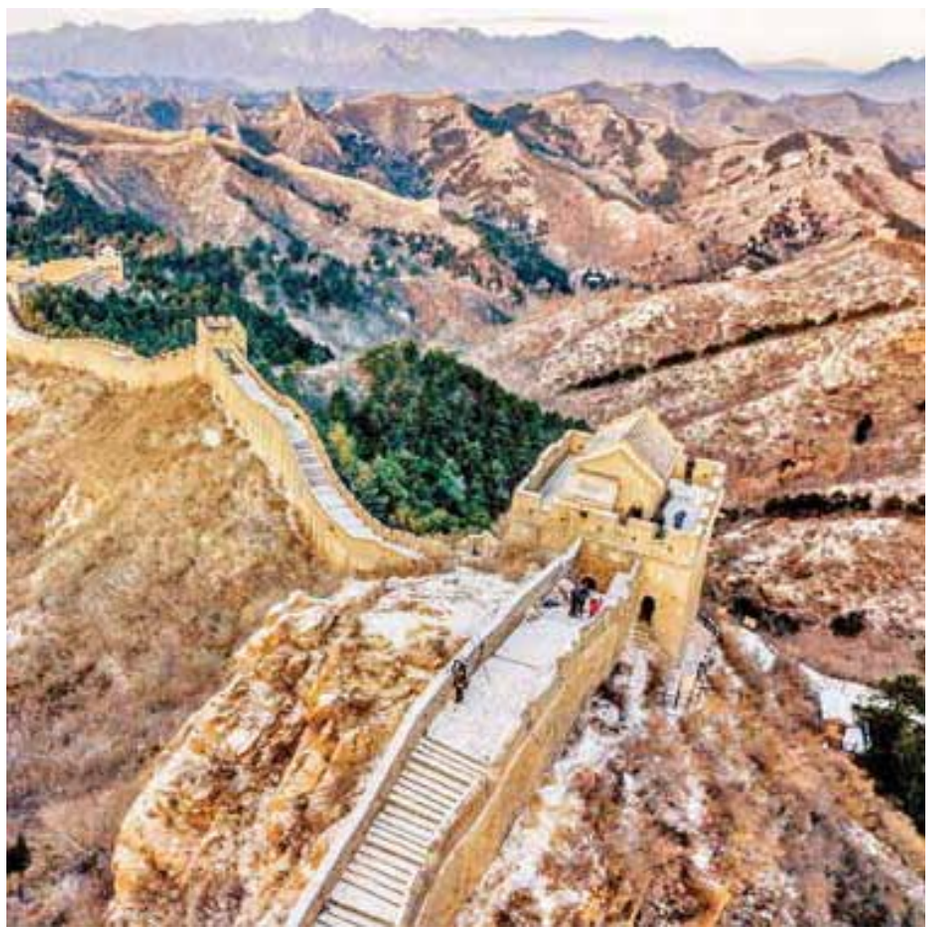

चीन की दीवार का वो हिस्सा,जहां हर कोई जाना चाहता है।

यह फोटो चीन में हेबेइ प्रांत में उस जगह का है, जहां 'चीन की दीवार' दूर तक फैली है। इसे रोमानि या के फोटोग्राफर ओवी पॉप ने तब क्लिक किया, जब वे इस दीवार का कवरेज करने वहां गए थे। लगातार बर्फ बारी के कारण उन्हें वहां तक जाने का मौका नहीं मिल पा रहा था। फिर एक रात बर्फबारी थम गई, तो सुबह- सुबह वे इस जगह पर आ पहुंचे। तब सूर्योदय हुआ ही था और सूर्य की किरणें वातावरण खुशनुमा बना रही थीं। उस वक्त बहुत कम पर्यटक वहां पहुंचे थे, लेकिन पिछ ले दिनों हुई बर्फबारी से पर्वत शृंखला का रंग जरूर बदल गया था।

''डिप्थेरिया'

संयुक्त राष्ट्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया है कि म्यांमार में रोहिंग्या मुसलमानों पर हमले अब भी जारी हैं। इसलिए बांग्लादेश में शरणार्थी शिविरों में रह रहे लाखों शरणार्थियों के लिए घर लौटना अभी सुरक्षित नहीं है। म्यांमार में समुचित सुरक्षा का अभाव है और सहायता करने वाली एजेंसियों, मीडिया और अन्य स्वतंत्र पर्यवेक्षकों पर पाबंदियां जारी है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र की यह चेतावनी रोहिंग्या शरणार्थियों का अपने घर स्वेच्छा से वापसी के लिए म्यांमार और बांग्लादेश सरकारों के बीच हुए समझौते के दो माह बाद आई है। संयुक्त राष्ट्र दोनों सरकारों पर रोंहिग्या शरणार्थियों के संकट का दीर्घकालिक समाधान ढूंढने के लिए जोर दे रहा है। शरणार्थी शिविरों में बाहर से लोग आते हैं और रोहिंग्या शरणार्थी की बेटियों को काम देने के बदले रकम अदा करने का वायदा करते हैं। यहां आने वाले पुरुष एक खास आयु की लड़कियों का चयन करते हैं और उनके मां-बाप को हर लड़की के लिए 60 डालर देते हैं। यहां आने वाले पुरु ष कहते हैं कि उन्हें 12 से 14 साल की लड़कियां इसलिए चाहिए क्योंकि उन्हें घरेलू काम करने में मुश्किल होती है। संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय बाल कोष (यूनिसेफ) ने खबरदार किया है कि बांग्लादेश में विस्थापना के बाद लगभग पांच लाख बच्चों की हालत ''भयावह' है। आशंका जताई जा रही है कि इन्हें बच्चों की बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है। बीमारी, बाढ़, भस्खलन और एक बार फिर से विस्थापन झेलना पड़ सकता है। ''डिप्थेरिया' के तकरीबन चार हजार संदिग्ध मामले सामने आए हैं। ऐसे ही शरणार्थी शिविरों में रह रहे पांच लाख बच्चों में से 40 हजार बच्चे यतीम हैं। इन बदनसीब बच्चों को रोहिंग्या समुदाय के बर्बर दमन के दौरान अपने माता-पिता की जान से हाथ धोना पड़ा था। इनमें से ज्यादातर बच्चे जबर्दस्त कुपोषण के शिकार हैं। अंत में यही कहा जा सकता है कि मौजूदा हालात में अभी तक एक लंबे समय तक रोहिंग्या मुसलमानों की म्यांमार में लौटने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। उन्हें अभी बंगलादेश के शिविरों में रहना होगा। 90 के दशक में जो रोहिंग्या मुसलमान बांग्लादेश पलायन कर गए थे, वे अभी भी शिविरों में रह रहे हैं और वापस जाना ही नहीं चाहते। यही हाल मौजूदा साढ़े छह लाख रोहिंग्या मुसलमानों का है, जो गत अगस्त के बाद पलायन करके बंगलादेश आए हैं। इसलिए बांग्लादेश सरकार की इन शरणार्थियों को जीवन की बुनियादी सहूलियतें उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। विश्व बिरादरी की भी नैतिक जिम्मेदारी है कि वे न केवल महिलाओं व लावारिस बच्चों के लिए जो इन शिविरों में रह रहे हैं बल्कि सबकी भरपूर मदद करें और इनको भूख, बीमारी, हिंसा और महिलाओं को जिस्मफरोशी व मानव तस्करी से बचाएं। म्यांमार में लौटने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। उन्हें अभी बंगलादेश के शिविरों में रहना होगा। 90 के दशक में जो रोहिंग्या मुसलमान बांग्लादेश पलायन कर गए थे, वे अभी भी शिविरों में रह रहे हैं और वापस जाना ही नहीं चाहते। साढ़े छह लाख रोहिंग्या मुसलमानों का है, जो गत अगस्त के बाद पलायन करके बंगलादेश आए हैं। बांग्लादेश सरकार की इन शरणार्थियों को जीवन की बुनियादी सहूलियतें उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। विश्व बिरादरी की भी नैतिक जिम्मेदारी है कि वे न केवल महिलाओं व लावारिस बच्चों के लिए जो इन शिविरों में रह रहे हैं बल्कि सबकी भरपूर मदद करें और इनको भूख, बीमारी, हिंसा और महिलाओं को जिस्मफरोशी व मानव तस्करी से बचाएं।

बत्ती गुल..' का हिस्सा बनने पर उत्साहित हैं यामी गौतम

अभिनेत्री यामी गौतम ने इन अफवाहों को झुठलाते हुए कि वह टी-सीरीज के साथ अपने टकराव के कारण नई फिल्म 'बत्ती गुल मीटर चालू' में अभिनय नही कर सकेंगी, कहा है कि वह इस फिल्म का हिस्सा बनने को लेकर उत्साहित हैं। यामी ने लेक्मे फैशन (एलएफडब्लू) वीक समर/रिसोर्ट 2018 में बताया, 'बत्ती गुल मीटर चालू' मेरी अगली फिल्म है। मैं इसका हिस्सा बनने को लेकर उत्साहित हूं। इसमें मैं एक वकील का किरादार निभा रही हूं। मैं (क्रिअर्ज एंटरटेंमेंट की) प्रेरणा अरोड़ा, शाहिद (कपूर), श्रद्धा कपूर के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, हम एक टीम के रूप में बहुत उत्साहित हैं। फिल्म के लिए सभी अपने उच्चतम स्तर पर प्रयास कर रहे हैं। भारत में टिकाऊ फैशन को बढ़ावा देने के एक प्रयास में, वूल्मार्क कंपनी और मनीष मल्होत्रा ने लेक्मे फैशन वीक (एलएफडब्ल्यू)समर/रिसॉर्ट 2018 में प्राकृतिक फाइबर मेरिनो वूल के इस्तेमाल से 'इनाया' नामक कैप्सूल संग्रह तैयार किया है। मल्होत्रा द्वारा डिजाइन की गई मेरिनो ऊन से निर्मित साड़ी पहने यामी ने कहा, मनीष मल्होत्रा का कलेक्शन हमेशा से मेरा पसंदीदा रहा है। यह साड़ी बहुत आरामदायक है। मुझे यह बहुत पसंद आई।

'गोल्ड' का टीजर 5 फरवरी को जारी होगा

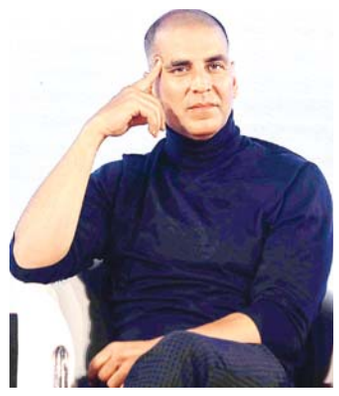

फिल्म 'गोल्ड' का टीजर पांच फरवरी को जारी होगा। इसमें अभिनेता अक्षय कुमार पहली बार रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ मिल कर काम कर रहे हैं। 'गोल्ड' सच्ची घटनाओं से प्रेरित फिल्म है, जिसमें 1948 के दौरान लंदन में हुए ओलंपियाड खेल की कहानी पेश की जाएगी, जब एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत ने अपने पहला ओलंपिक पदक जीता था। फिल्म की शैली को ध्यान में रखते हुए, यह फिल्म 2018 में स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज की जाएगी। एक्सेल एंटरटेनमेंट बैनर तले रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर द्वारा निर्मित और रीमा कागती द्वारा निर्देशित 'गोल्ड' 15 अगस्त, 2018 को रिलीज होगी।

सैयामी को बॉलीवुड में सही फिल्मों का 'इंतजार'

राकेश ओमप्रकाश मेहरा की फिल्म 'मिर्जिया' में हर्षवर्धन कपूर के साथ अपने फिल्मी करियर की शुरुआत कर चुकीं अभिनेत्री सैयामी खेर ने कहा कि अभी उनके पास कोई बॉलीवुड फिल्म नहीं है, लेकिन वह सही फिल्म मिलने का इंतजार कर रही हैं। बॉलीवुड परियोजनाओं के बारे में सैयामी ने कहा, अभी मैं किसी फिल्म पर कोई काम नहीं कर रही हूं..लेकिन इंतजार कर रही हूं और जल्द काम करने की संभावना है। अभिनेत्री ने लैक्मे फैशन वीक(एलएफडब्लू) समर/रिसोर्ट 2018 में कैपरेस-निष्का लुल्ला शो के लिए रनवे वॉक की। निष्का कैपरेस से जुड़ी हुई हैं। यह वी.आई.पी. इंडस्ट्रीज से लोकप्रिय महिलाओं की उच्च फैशन एक्सेसरीज का ब्रांड है। अपनी डिजाइनों के माध्यम से, निष्का भौगोलिक सीमाओं से परे जाकर बोहेमियन फैशन के साथ एक भारतीय सौंदर्यशास्त्र को संयोजित करने में कामयाब रही हैं। निष्का ने कहा, यह संग्रह मुक्त भावनाओं के प्रति मेरे जन्मजात प्रेम से प्रेरित है। बोहेमिया फैशन हमेशा सांस्कृतिक रूप से समृद्ध क्षेत्रों से प्रेरित है और इस प्रकार की ड्रेसिंग में आत्मा को तृप्त किया जाता है। सैयामी खेर संग्रह के लिए उपयुक्त हैं।

परी' से डरे जॉन, 'परमाणु' की रिलीज टली

होली के मौके पर अनुष्का शर्मा की फिल्म 'परी' और जॉन अब्राहम की फिल्म 'परमाणु : द स्टोरी ऑफ पोखरण' में होने वाला टकराव अब टल गया है। दोनों फिल्में पहले दो मार्च को रिलीज होने वाली थी, लेकिन जॉन ने बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को ध्यान में रखकर समझदारी दिखाते हुए 'परमाणु' की रिलीज टाल दी और अब यह फिल्म छह अप्रैल को रिलीज होगी। प्रोडक्शन से जुड़े एक शख्स ने बताया कि जाहिर है जॉन के पास ज्यादा विकल्प नहीं था। उसने कहा, 'परी' में अनुष्का का डरावना चेहरा पहले से ही लोगों का ध्यान खींच रहा है। उसने आगे कहा, नए प्रोमो ने सनसनी मचा दी, जबकि जॉन की 'परमाणु' का अभी तक प्रचार भी शुरू नहीं हुआ है। जल्दबाजी में रिलीज करने के बजाय यह फैसला समझदारी भरा है। कई असफल फिल्मों के बाद 'परमाणु' जॉन के लिए बेहद महत्वपूर्ण फिल्म है, ऐसे में जॉन कोई जोखिम नहीं लेना चाहते।

'रेस-3' के मुंबई शेड्यूल की शूटिंग पूरी

'रेस' श्रृंखला की तीसरी फिल्म की मुंबई शेड्यूल की शूटिंग पूरी हो गई है। फिल्म के निर्देशक रेमो डिसूजा ने ट्विटर पर फिल्म के मुख्य अभिनेता सलमान खान और अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज की एक तस्वीर साझा की। तस्वीर में सलमान की पीठ नजर आ रही है, जबकि जैकलीन का आधा चेहरा नजर आ रहा है। डिसूजा ने तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, मुंबई शेड्यूल की शूटिंग पूरी..'रेस-3'। फिल्म 'किक' के बाद सलमान और जैकलीन की जोड़ी एक बार फिर पर्दे पर नजर आएगी। 'रेस-3' 15 जून को ईद के मौके पर सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

फिल्म निर्माण टीम वर्क है :भूषण

'सोनू की टीटू की स्वीटी' और 'हेट स्टोरी 4 की रिलीज का इंतजार कर रहे फिल्म-निर्माता भूषण कुमार ने कहा कि फिल्म-निर्माण एक टीम वर्क है। 'अय्यारी', 'पैडमैन' और 'सोनू की टीटू की स्वीटी' की रिलीज 'पद्मावत' के कारण स्थगित कर दी गई थी। इसके बारे में पूछे जाने पर भूषण ने कहा, शायद यह सवाल 'पद्मावत' की रिलीज में देरी के कारण पूछा जा रहा है, जिसके लिए आप भी सहमत होंगे कि यह दुर्भाग्यपूर्ण था। ज्यादातर निर्माता पूरी योजना के साथ रिलीज तारीख की घोषणा करते हैं। जब भी कोई निर्माता अपनी फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करता है तो वह उस फिल्म के हित को ध्यान में रखकर किया जाता है। टी-सीरीज के प्रमुख का मानना है कि कोई भी निर्माता किसी अन्य फिल्म के लिए परेशानी की वजह बनना नहीं चाहता। उन्होंने कहा, फिल्म-निर्माण एक टीम वर्क है और यहां कई लोग ऐसे हैं, जिनका लक्ष्य एक है।

हीरो और हीरोइन की फीस में काफी अंतर: विद्या

बॉलीवुड में अपने संजीदा अभिनय के लिये मशहूर विद्या बालन का कहना है कि हीरो और हीरोइन की फीस में काफी अंतर होता है लेकिन वह फिल्म के लिये जीतना मांगती हैं उतना उन्हें मिल जाता है। विद्या ने हाल ही में स्टार और अन्य एक्टर की फीस में बड़े अंतर पर बात की है। विद्या ने कहा कि मैं निर्माताओं से जितना मांगती हूं, उतना मुझे मिल जाता है. लेकिन जो बड़े हीरो वाली फिल्में हैं उनमें हीरो और हीरोइन की फीस में बड़ा अंतर होता है, लेकिन मैंने पिछले आठ-नौ साल से ऐसी फिल्में नहीं की हैं. इसलिए मेरे साथ ऐसा नहीं हुआ। गौरतलब है कि विद्या की पिछली फिल्में 'तुम्हारी सुलु' और 'बेगम जान' थीं। ये दोनों ही फिल्मों में वे लीड रोल में थीं। हाल ही में पद्मावत में दीपिका पादुकोण को मेल एक्टर रणवीर सिंह और शाहिद कपूर से अधिक फीस दी गई थी। वे फिल्म में लीड रोल में थीं। बॉलीवुड में हीरो और हीरोइन की फीस में अंतर का मामला कंगना रनोट सहित कई एक्ट्रेस पहले भी उठा चुकी हैं।

Readers Choice

इस हसीन जोड़े को करनी पड़ी अदालत के बाथरूम में शादी

सब लोगों की तरह भी इस जोड़े ने भी अपनी शादी शानदार तरीके से करने की सोची थी। कम से कम ये तो बिलकुल नहीं सोचा था कि बाथरूम टैप और सिंक की गवाही में उनकी शादी की कस्में पूरी होंगी। पर उनकी मजबूरी ने ऐसा ही माहौल बना दिया और उनकी ये विवशता सोशल मीडिया पर जम कर वायरल हो रही है। चलिए आपको बताये क्या थी इस अनोखी शादी की स्थितियां। ब्रायन और मारिया स्कूल्ज नाम के इस कपल ने पिछले दिनों शादी की है जो हर तरफ चर्चा का विषय बनी हुई है क्योंकि ये शादी किसी शानदार लोकेशन पर नहीं, बल्कि बाथरूम में हुई है। दरसल ऐसा दूल्हे की मां की खराब तबीयत के चलते किया गया। दरसल शादी के लिए परिजनों के साथ ब्रायन और मारिया कोर्ट में पहुंचे थे जहां दूल्हे की मां बाथरूम गई तो वहीं उन्हें अस्थमा का अटैक पड़ा और सांस लेने में परेशानी होनी लगी। चेहरा पसीने से तरबतर हो गया और सांस नहीं लेने की वजह से चेहरा पीला पड़ गया। उनको प्राथमिक इलाज के तौर पर कोर्ट के अंदर बने बाथरूम में ही ऑक्सीजन देने का फैसला किया गया। अमेरिका की मॉनमाउथ काउंटी कोर्ट हाउस के शैरिफ ने बीमार महिला के लिए ऑक्सीजन की व्यवस्था कराई, तब जाकर उनकी तबीयत में सुधार हुआ। पर उन्हें उठा कर तुरंत कोर्ट में ले जाना संभव नहीं था। लिहाजा दोनों ने बाथरूम में शादी कर ली। ऐसा करने की वजह ये थी कि अगर वो शादी टालते तो उन्हें मैरेज लायसेंस के लिए 45 दिनों का और इंतजार करना पड़ता। इसलिए कोर्ट के एक अफसर ने ही उन्हें सुझाव दिया कि वे उसी दिन शादी कर लेंख जिसे मान कर मां की हालत के मद्दे नजर ब्रायन ने ये फैसला लिया और मारिया ने उसे माना।

छोटा पर्दा

इस रुप में नजर मे आएंगे तरूण खन्ना

एंड टीवी के पौराणिक शो 'परमावतार श्रीकृष्ण' को अपनी शुरुआत से ही भगवान कृष्ण की बेहतरीन कहानी और उनके कई सारे चमत्कारों के कारण दर्शकों से काफी प्यार मिल रहा है। 'परमावतार श्रीकृष्ण' में भगवान शिव के रूप में तरुण खन्ना की चौथी पारी होगी। वहे इस देव रूप की भूमिका निभाते नजर आयेंगे। इतना ही नहीं, तरूण का भी मानना है कि यह पूरी तरह से किस्मत की बात है। टेलीविजन चैनलों पर इस किरदार को निभाने के पीछे के कार्मिक जुड़ाव को बयां नहीं किया जा सकता। इस बारे में तरुण से पूछने पर उन्होंने कहा, ''चाहे आप इसे किस्मत कहें या कुछ और लेकिन मेरी खुशकिस्मती है कि मुझे टेलीविजन पर भगवन शिव का किरदार निभाने को मिला।

हिना 'अनजान...' के लिए उत्साहित

अभिनेत्री हिना परमार ने कहा है कि वह हॉरर टीवी शो 'अनजान : स्पेशल क्राइम्स यूनिट' के लिए उत्साहित हैं। यहां जारी एक बयान के मुताबिक, गश्मीर महाजनी के साथ हिना डिस्कवरी जीत के आगामी शो 'अनजान : स्पेशल क्राइम्स यूनिट' में दिखाई देंगी। यह लोटस टॉकीज द्वारा निर्मित है। शो का प्रसारण 12 फरवरी से होगा। हिना ने कहा, ''मैं 'अनजान : स्पेशल क्राइम्स यूनिट' का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं। मैं पहली बार हॉरर शैली में अपना हाथ आजमा रही हूं। मैं इस शो का हिस्सा इसकी अलग-अलग कहानियों की वजह से बनीं। इनमें से ज्यादातर असल जिंदगी की घटनाओं से प्रेरित हैं।''

हिना खान अब यहां बिखेरेंगी जलवे

अभिनेत्री और 'बिग बॉस 11' की रनर-अप हिना खान कोलकाता के परिधान ब्रांड ओसा के शोस्टॉपर के रूप में लैक्मे फैशन वीक (एलएफडब्ल्यू) समर/रिजॉर्ट 2018 में रैंप पर अपने जलवे बिखेंगी। गुरुवार को जारी बयान के मुताबिक, फैशपरस्त और नए युग की स्टाइल आइकन, 'बिग बॉस' की फाइनलिस्ट हिना खान, लैक्मे फैशन वीक में आदर्श द्वारा प्रवर्तित कोलकाता स्थित ब्रांड ओसा के लिए रैंप पर वॉक करेंगी। इस शो का शीर्षक 'शोरूम एडिट' होगा।

चुटकुले

नयी खोज

इंजीनियर- सर हमने ऐसी चीज बनाई है। जिससे आप दीवार के आर पार देख सकते हैं।

प्रोफेसर- वाह, ऐसी क्या चीज बनाई है?

इंजीनियर- छेद।

राज

कुछ तो था उसके होठों में, पर न जाने क्यों शर्माती थी।

एक दिन वो खुलकर हंसी तो पता चला कि मोहतरमा तंबाकू खाती थी।

अंतर

टीचर- मैं दो वाक्य दूंगा, आपको उसमें अंतर बताना है।

1. उसने बर्तन धोए।

2. उसे बर्तन धोने पड़े।

संजू- सर, पहले वाक्य में कर्ता अविवाहित है और दूसरे में विवाहित है।

ध्यान

दुकानदार- बहनजी, आप हमेशा दुकान आती हैं, सारे गहने देखती हैं मगर कभी ले नहीं जातीं।

महिला- ले जाती हूं भाई साहब, आप ही ध्यान नहीं देते।

बैंक

एक शराबी दूसरे शराबी को बैंक का नियम बहुत ही सीरियसली समझाते हुए...

देखो भाई, याद रखना अगर पांचवां ट्रांसैक्शन हुआ तो समझ लेना एक क्वॉर्टर का पैसा चला गया।

हॉलीवुड

लेडी गागा ने 'तेज दर्द' के कारण वर्ल्ड टूर रोका

गायिका व अभिनेत्री लेडी गागा ने अपने वर्ल्ड टूर के बाकी बचे कार्यक्रम को रद्द कर दिया है क्यूंकि वह 'तेज दर्द' से पीड़ित हैं। टूर के अंतिम दस दिनों के दौरान वह यूरोप में कार्यक्रम करने वाली थीं। सुत्रों ने कहा कि ट्विटर पर पोस्ट किए गए एक बयान में पॉप स्टार ने अपने प्रशंसकों से माफी मांगते हुए कहा कि वे दर्द से बुरी तरह से पीड़ित हैं और उन्हें खुद पर और अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत है। ग्रेमी अवार्ड विजेता गायिका फाइब्रोमायल्जी से पीड़ित हैं। यह एक जीर्ण रोग है जिससे समूचे शरीर में दर्द होता है। इसके कारण उनके लंदन और मैनचेस्टर समेत कई जगहों के शो प्रभावित हुए थे।

पाल्पो श्राइबर हैं प्रतिभावान अभिनेता: जेरार्ड बटलर

स्कॉटिश अभिनेता जेरार्ड बटलर ने फिल्म 'डेन ऑफ थीव्स' के अपने सह-कलाकार पाल्पो श्राइबर की तारीफ करते हुए उन्हें प्रतिभावान बताया है। भारत में पीवीआर पिक्चर्स इस पिल्म को लेकर आया। फिल्म की कहानी दो प्रतिद्वंदी समूहों 'द आउटलॉज' (श्राइबर के किरदार रे मेरीमैन की टीम) और द रेग्युलेटर्स (बटलर की टीम) के इर्द-गिर्द घूमती है। बटलर ने कहा अगर मुझे दो शब्दों में पाल्पो के किरदार (मेरीमैन) के बारे में बताना है तो मैं कहूंगा कि वह बुद्धिमान और निर्दयी व जंगली है।

वेलेंटाइन्स डे पर हर कोई एक वेलेंटाइन का हकदार

रियलिटी टीवी स्टार किम कर्दशियां इस वेलेंटाइन अपने सभी प्यार करने वालों के साथ ही सभी नफरत करने वालों के लिए प्यार फैला रही हैं। सुत्रों के मुताबिक, किम (37) ने इंस्टाग्राम स्टोरीज के जरिए अपने प्रशंसकों को बताया कि उन्होंने अपने कुछ करीबी दोस्तों के साथ ही दुश्मनों के लिए भी अपना नया 'किमोजी हॉर्ट्स केकेडब्ल्यू फ्रेगरेंसेज' परफ्यूम भेजने का फैसला किया है। किम ने प्राप्तकताओं के नामों के साथ रंगीन पोस्ट-इट नोट दिखाते हुए कहा, 'मैं अपने प्रेस बॉक्स के लिए यह सूची लिख रही हूं। मैंने फैसला किया है कि इस वेलेंटाइन्स डे पर हर कोई एक वेलेंटाइन का हकदार है।

आहिर समाज का 25वां रजत जयंति समूह विवाह उत्सव सम्पन्न

मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने नव दंपत्तियों को दिया आशिर्वाद

सूरत, 5 फरवरी। सूरत के प्रांगण में प्रमुख आरण्य, गोडादरा में आहिर सेवा समिति द्वारा आयोजित 25वें रजत जयंति समूह विवाह समारोह में आहिर समाज के 502 नव दंपत्तियों ने वैवाहिक जीवन में कदम रखा। इस समूह विवाह में मुख्यमंत्री विजयभाई रुपाणी ने कृष्ण भगवान के वंशजों को उनका दा पत्य जीवन सुख-समृद्धिमय और सरल हो ऐसा आशिवर्चन देते हुये नव दंपत्ति के माता-पिता को ऐसे कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अभिनंदन दिया।

सूरत में आहिर समाज के 25वें विवाह समारोह नव दंपत्तियों को आशिर्वाद देते हुये मु यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने कुंवरभाई का मामेरा और सात फेरा समूह विवाह जैसी योजनाओं के अंतर्गत पिछले चार वर्ष में दो करोड रुपये की सहायता आहिर समाज की पुत्रियों को दी है। उन्होंने आगे कहा कि इन 502 नव दंपत्तियों को भी राज्य सरकार 1.10 करोड रुपये की सहायता देगी। इसके अलावा अहमदाबाद में आहिर समाज के युवक-युवती अ यास कर सके इसके लिए छात्रालय की जमीन जल्द ही आवंटित की जायेगी।

मुख्यमंत्री ने आहिर समाज में फैले कुरिवाजों को खत्म करने, शिक्षा और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी समाज के वरिष्ठों ने उठाई है उसके लिए अभिनंदन देते हुये आहिर समाज के युवाओं को भी राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के लिए अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि आज के महंगाई के समय में पुत्री के पिता को उसके विवाह की बडी चिंता होती है ऐसे में समाज ने पुत्रियों की जि मेदारी ली है यह अभिनंदन के पात्र है। आहिर समाज भविष्य में भी इस प्रकार एक सूत्र में बंधा रहे और अपने समाज का विकास कर देश के विकास में सहयोगी हो ऐसी आशा व्यक्त की।

इस अवसर पर सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्यमंत्री वासणभाई आहिर ने कहा कि राज्य सरकार ने अहमदाबाद में जमीन आवंटित करने की घोषणा की है जिससे समाज के युवक-युवतियों को उच्च शिक्षा के साथ रहने की सुविधा प्राप्त होगी। जिससे समाज का बडा लाभ होगा। आहिर सेवा समाज समिति के प्रमुख जेरामभाई वाला ने स्वागत प्रवचन किया। इस अवसर पर प्रमुख फाउन्डेशन के दाता नटुभाई भाटु व उनकी धर्मपत्नी जयश्रीबेन भाटु का मुख्यमंत्री ने अभिवादन किया।

केसरिया साफा, चोली-झब्बा जैसे परंपरागत वेशभूषा में सुसज्ज आहिर समाज के नवयुवको ने आकर्षण जमाया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री हंसराजभाई आहिर, मेयर अस्मिताबेन शिरोया, विपक्ष के नेता परेशभाई धानाणी, सांसद सी.आर. पाटील, पूनमबेन माडम, विधायक संगीताबेन पाटील, झंखनाबेन पटेल, जवाहरभाई चावडा, पुलिस कमिश्नर सतीश शर्मा, जिला कलेक्टर महेन्द्र पटेल, प्रमुख फाउन्डेशन परिवार के सदस्य सहित महानुभाव, नवदंपत्तियों के परिजन भारी संख्या में उपस्थित रहे।

कक्षा11-12 के बाद कॉलेज से सेमेस्टर पद्धति रद्द करने की सरकार की तैयारी

गांधीनगर (ईएमएस)। शिक्षामंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडासमा ने राज्य की कोलेजो में चल रही सेमेस्टर पद्धति में सुधार करने के लिए कुलपतियों के साथ बैठक की। चूडासमा ने कुलपतियों को विद्यार्थी संघ और अभिभावक संघों के साथ विस्तृत परामर्श कर अभिप्राय देने की सूचवा दी है। राज्य के युनिवर्सिटी के कुलपतियों की आयोजित बैठक में शिक्षामंत्री चूडासमा ने कहा कि विद्यार्थी, अभिभावक और शिक्षा के हित में प्रवेश परीक्षा और परिणाम तय समय पर हो ऐसा आयोजन करना है। उन्होंने कहा कि कोलेज में सर्च और रिसर्च आधारित शिक्षा को गति देने सहित अनेकों मुद्दों पर चर्चा की गई। राज्य की कोलेजों में हाल सेमेस्टर पद्धति को लेकर अनेक पेशकश को ध्यान में लेते हुए कोलेजों में सेमेस्टर पद्धति को लेकर विद्यार्थी व शिक्षा के हित के सुधार जरुरी है। इस दिशा में शिक्षा विभाग ने कार्रवाई शुरु की है। इस बैठक में विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए हाल की शिक्षा पद्धति में कैसे सुधार किया जा सके इसे लेकर विद्यार्थी संघों व अभिभावक संधों से विस्तृत विचार विमर्श कर उसका अभिप्राय 15 दिनों में राज्य सरकार को रिपोर्ट सौंपने की कुलपतियों को सूचना दी गई। इसके अलावा शिक्षामंत्री भूपेन्द्रसिंह ने इस बैठक में विद्यार्थी, अभिभावक व शिक्षा के हित में प्रवेश परीक्षा और परिणाम तय समय पर हो ऐसे आयोजन करने की भी कुलपतियों को सूचना दी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि गुणवत्तायुक्त शिक्षा व विद्यार्थियों के उज्जवल केरियर के लिए लगातार सर्च और रिसर्च आधारित मानसिकता को गति देनी होगी। डॉक्टरेट की उपाधि में अधिक गुणवत्ता की जरूरतों पर ध्यान देकर विद्यार्थी गुणवत्तासभर पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर सके ऐसे आयोजन के अलावा सहायक प्राध्यापक बनने के लिए ली जा रही नेट और स्लेट की परीक्षा में विद्यार्थि सफल हो इसलिए कोचिंग-मार्गदर्शन की व्यवस्था करने की कुलपतियों को सूचना दी। शिक्षामंत्री ने कहा कि कोलेजो में विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढती रहे और प्लेसमन्ट के लिए केम्प कर विद्यार्थियों को रोजगार देने के लिए व्यवस्था खड़ी करनी चाहिए। इतना ही नहीं गुणवत्तालक्षी शिक्षा के लिए जरूरी व्यवस्था करने की सूचना दी। वर्तमान समय के अभ्यासक्रमों को ध्यान में रखकर उसमें बदलाव करने के लिए सभी कुलपतियों को साथ बैठकर विचार विमर्श करना होगा।

मोबाइल नंबर आधारकार्ड से लींक कराने बनाई थी भाजपा सरकारः हार्दिक पटेल

गांधीनगर (ईएमएस)। पाटीदार आरक्षण आंदोलन के नेता हार्दिक पटेल ने ट्वीट के जरिए भाजपा पर कड़े प्रहार करते हुए कहा कि मोबाइल नंबर आधारकार्ड से लींक कराने के लिए बनाई गई थी भाजपा सरकार को। पास कन्वीनर हार्दिक पटेल ने भाजपा पर प्रहार करते हुए ट्वीट किया है। ट्वीट के जरिए हार्दिक ने भाजपा सरकार की कड़ी आलोचना की है। हार्दिक ने कहा है कि आज तक एक भी घोटालेबाज जेल नहीं गया। किसी के पास भी काला धन नहीं मिला। गंगा नदी की सफाई नहीं हुई। धारा 370 नहीं हटाई गई। क्या हम लोगों ने भाजपा सरकार को सिर्फ मोबाइल नंबर को आधारकार्ड से लींक कराने के लिए चुना था। सीमा पर देश के जवान शहीद हो रहे है और देश के प्रधानमंत्री चुनाव प्रचार में व्यस्त है। कई सारी शिकायतें है परंतु सभी शिकायतों का गुनाहगार साहब का भक्त है। हार्दिक पटेल ने खेल जगत में किए जा रहे भेदभाव पर सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि ब्लाइन्ड क्रिकेट टीम ने विश्व कप जीतने पर उन्हें कुछ नहीं मिला परंतु अंडर19 विश्वकप में जीत हासिल होने पर सभी खिलाडियों को सराहा गया और वह करोड़ो रुपए कमा गए। हार्दिक बजट को लेकर सरकार पर आरोप लगाया कि बजट में जो भी योजनाएं शुरु की गई है उसका लाभ 2022 तक मिलेगा जबकि नेताओं का वेतन तुरंत बढ गया और उसे तत्काल अमली भी किया गया।

9 फरवरी से कांग्रेस की त्रिदिवसीय प्रशिक्षण शिविर

अहमदाबाद (ईएमएस)। आगामी 9 फरवरी को खेडा जिले के कपडवंज में कांग्रेस ने त्रिदिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया है। शिविर में अशोक गेहलोत और अहमद पटेल भी उपस्थित रहेंगे। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सीटें बढने से कांग्रेस नेताओं में उत्साह है। कांग्रेस ने अपने विधायकों को अधिक सक्षम बनाने के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया है। सूत्रों के मुताबिक त्रिदिवसीय चलनेवाली प्रशिक्षण शिविर 9 फरवरी से शुरु होगी। प्रशिक्षण शिविर का आयोजन खेडा जिले के कपडवंज तहसील के एक निजी रिसोर्ट में किया गया है।

गुजरात की 20 नदियों में प्रदूषण, साबरमती नदी सबसे अधिक प्रदूषित

अहमदाबाद (ईएमएस)। केन्द्र सरकार द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक गुजरात राज्य की 20 नदियों में प्रदूषण है। जिसमें अहमदाबाद की साबरमती नदी सबसे अधिक प्रदूषित है। 20 नदियों की सूची में नर्मदा और मही नदी भी शामिल है। हिंदुस्तान में नदी को माता माना जाता है और माता की तरह नदी की पूजा की जाता है। परंतु नदी को शृद्ध रखने के लिए हम कोई कदम नहीं उठाते। गुजरात को मोडल स्टेट और विकसित राज्य के तौर पर देश और दुनिया में प्रसारित किया जा रहा है परंतु चौंकानेवाली बाबत यह है कि राज्य में सिर्फ हवा ही नहीं अपितु जल प्रदूषण में भी राज्य की स्थिति बिगडती जा रही है। केन्द्र सरकार द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक गुजरात की 20 नदियों में प्रदूषण का प्रमाण अधिक है। इतना ही नहीं देश में सबसे अधिक प्रदूषित नदियों में राज्य चौथे स्थान पर है। गुजरात की 20 सबसे प्रदूषित नदी में साबरमती नदी अव्वल स्थान पर है। सबसे अधिक प्रदूषित नदी में नर्मदा और मही नदी भी शामिल है। चौंकानेवाली बात यह है कि साबरमती व मिंढोला नदी में प्रदूषित रोकने हेतु केन्द्र सरकार द्वारा पिछले वर्ष में 200 करोड रुपए आवंटित किए है। किसी भी नदी को शृद्ध करने के लिए सबसे अधिक फंड देने के मामले में साबरमती-मिंढोला चौथे स्थान पर है। गंगा नदी के शृद्धिकरण हेतु उत्तरप्रदेश को 917.24 करोड़, पश्चिम बंगाल को 411.26 करोड़ और 411.26 करोड़ और बिहार को 216.46 करोड़ रुपए का फंड दिया गया है। विशेषज्ञो के मुताबिक गुजरात की नदियों में प्रदूषण बढने का कारण उद्योगों व फैक्ट्रियों से छोड़ा जा रहा केमिकलयुक्त पानी। फैक्ट्रियों का केमिकल युक्त पानी नदी में छोड़े जाने पर प्रदूषण बढना स्वाभाविक है। उद्योगों के खिलाफ प्रशासन अनदेखी कर रहा है। गुजरात की सबसे बड़ी नदियों पर डेम बनाए गए है। जिसके चलते नदी का पानी गहरे होते गए। गुजरात में प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो नदियों में प्रूदूषण की स्थिति अधिक बिगड़ सकती है।

सीएम रूपाणी ने अक्षयकुमार के साथ देखा फिल्म 'पैडमैन' का प्रिव्यू

महिला स्वास्थ्य की सामाजिक जागृति के विषय वाली यह फिल्म महिला सशक्तिकरण की अनोखी मिसाल बनेगीः मुख्यमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस)। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने महिलाओं के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए बहनों-माताओं के स्वास्थ्य की विषयवस्तु को लेकर बनाई गई फिल्म 'पैडमैन' का प्रिव्यू प्रसिद्ध अभिनेता पद्मश्री अक्षय कुमार के साथ सोमवार को अहमदाबाद में देखा। रूपाणी ने कहा कि सैनेटरी पैड के उपयोग से माता-बहनों के बेहतर स्वास्थ्य के साथ देश का स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। सामाजिक जागरूकता के इस विषय को लेकर बनाई गई यह फिल्म महिला सशक्तिकरण की अनोखी मिसाल बनेगी। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री और वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिला स्वास्थ्य और बाल आरोग्य कल्याण के क्षेत्र में अलग विभाग शुरू करने की की गई पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि गुजरात में सौ फीसदी माता-बहनें और बेटियां सैनेटरी पैड का उपयोग करें, इसके लिए सरकार, समाज और सेवाभावी संगठन साथ मिलकर प्रयास करेंगे। मुख्य मंत्री विजय रूपाणी ने सामाजिक जागृति की थीम पर आधारित इस फिल्म के लिए उन्होंने अभिनेता अक्षय कुमार और फिल्म के निर्देशक आर. बाल्की की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। इस मौके पर महिला बाल कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती विभावरीबेन दवे,

प्रदेश भाजयुमो अध्यक्ष डॉ. ऋत्विज पटेल सहित कई अग्रणी और आमंत्रित उपस्थित थे। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि आनेवाले समय में पैडमैन फिल्म राज्य में टैक्स फ्री हो सकती है। गौरतलब है कि अक्षयकुमार की यह फिल्म पैडमैन तमिलनाडु के मुरुगनाथम की बायोपिक पर आधारित है। फिल्म में अक्षयकुमार एक सोशियल वर्कर की भूमिका निभा रहे है। फिल्म में अक्षय की पत्नी की भूमिका राधिका आप्टे कर रही है। फिल्म में सोनमकपूर की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। फिल्म में महिलाओं के लिए सेनेटरी नेपकिन बनानेवाली मशीन बनाकर मुरुगनाथम के संघर्ष को दिखाया गया है। हाल इस फिल्म को लेकर देश-विदेश में काफी चर्चा हो रही है।

गुजरात में पुत्र की अपेक्षा पुत्री माता-पिता के लिए बनी पहली पसंद

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में अब पुत्र की अपेक्षा पुत्री को पसंद करनेवाले माता-पिता की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। नेशनल हेल्थ सर्वे के मुताबिक गुजरात में कुछ वषी पहले माता-पिता अपनी संतान में पुत्री से अधिक पुत्र को पसंद किया जाता था। परंतु अब माता-पिता की सोच में बदलाव आ रहा है। गुजरात में अब पुत्र की अपेक्षा पुत्री को पसंद किया जा रहा है। गुजरात में पुरुष की अपेक्षा महिलाएं संतान में पुत्र जन्म को लेकर अधिक महत्व दिया जाता है। गुजरात में 20245 घरों में 22 हजार महिलाएं व 6 हजार पुरुषों का साक्षात्कार कर सर्वेक्षण तैयार किया गया। इस सर्वे के मुताबिक संतान में पुत्र की अपेक्षा पुत्री के जन्म को सराहा गया। संतान में पुत्र से अधिक पुत्री को पसंद करनेवाले राज्यों में गुजरात पांचवें स्थान पर है। जबकि 17.7 प्रतिशत के साथ मेधालय सबसे अव्वल स्थान पर है। हालांकि विशेषज्ञों के मुताबिक मर्यादित लोगों के साक्षात्कार के आधार पर हुए सर्वेक्षण से समाज में हो रहे परिर्तन को लोग कितना स्वीकार करते है यह सबसे बड़ा सवाल है। इस सर्वे में एक चौंकानेवाली बात यह भी सामने आई है कि कि गुजरात में 15 से 19 वर्ष की आयु की 6.5 प्रतिशत महिलाएं कम से कम एक संतान की माता भी बन चुकी है। संतान में पुत्री के अपेक्षा पुत्र को अधिक पसंद करनेवाला बिहार 37.1 प्रतिशत के साथ सबसे अव्वल स्थान पर है।

गिफ्टी सिटी में आग, एडमिन विंग की कचहरी जलकर खाक

गांधीनगर (ईएमएस)। जिले के गिफ्ट सिटी के पुराने बिल्डिंग में भीषण आग भड़क उठी। आग में एडमिन विंग की कचहर जलकर खाक हो गई। सूत्रों के मुताबिक गांधीनगर के गिफ्ट सिटी में आज दोपहर को पुराने बिल्डिंग जो कि एडमिन विंग से जानी जाती है उसमें भीषण आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रुप धारण कर लिया। घटना की जानकारी मिलते ही गांधीनगर और अहमदाबाद से फायरब्रिगेड क काफिला मौके पर पहुंच गया और आग पर काबू पा लिया। हालांकि आग इतनी भयंकर थी कि आग बुझा पाते उससे पहले ही कचहरी का मालसामान जलकर खाक हो गया। आग की घटना की कोई जानहानि नहीं हुई।

बारात में मिस फायर से युवक की गोली लगने से मौत

सुरेन्द्रनगर (ईएमएस)। जिले के रामपुरा गांव में शादी का माहौल में युवक की मौत से मातम में तब्दील हो गया। परंपरा के मुताबिक बारात के समय फायरींग करते समय मिस फायर होने से युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु की है। सुरेन्द्रनगर जिले के वढवाण तहसील के रामपुरा गांव में शादी समारोह में बारात के समय फायरींग करते समय मिस फायर होने से 21 वर्षीय हितेश जीवराजभाई नामक युवक को गोली लग गई। गंभीर रुप से घायल हितेश को तत्काल अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने हितेश को मृत घोषित किया। सूत्रों के मुताबिक वनराजभाई रामजीभाई वढेल के पुत्र क्रिपाल की शादी की बारात निकली थी। इस दौरान परंपरा के निभाने के लिए वनराजभाई कानाभाई नाडोदा के पास लायसन्स वाली रिवॉल्वर थी जिससे फायरींग की जा रही थी। इस रिवॉल्वर से हितेश नामक युवक ने ट्रीगर दबाया और मिस फायर से गोली उस लग गई। विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक हितेश ने दो बार फायरींग किया परंतु तीसरी बार गलती से मिस फायर होने से उसे गोली लग गई। इस मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु की है।

पानोली जीआईडीसी कंपनी में गैस रिसाव से 2 कामगार की मौत

भरूच (ईएमएस) जिले के अंकलेश्वर स्थित पानोली जीआईडीसी में ओम डायकेम कंपनी में रिएक्टर की सफाइ करने के टंकी में उतरे दो कामगारों को गैस रिसाव के चलते मौत हो गई। कर्मचारियों को बचाने गए फायरब्रिगेड के एक कर्मी को गैस का असर होने पर उसे अस्पताल ले जाया गया। सूत्रों के मुताबिक भरूच जिले के अंकलेश्वर स्थित ओम डायकेम कंपनी में आज सुबह रिएक्टर की सफाई करने के लिए दो कामगार टंकी में उतरे थे। परंतु दोनों कर्मचारियों को केमिकस गैस का असर होने पर तत्काल जीआईडीसी का फायर स्टाफ घटनास्थल पहुंच गया। फायरब्रिगेड की टीम ने राहत व बचाव कार्य शुरु कर दिए। परंतु गैस की असर होने से दोनों कर्मचारियों को अस्पताल पहुंचाया जाए उससे पहले ही दोनों की मौत हो गई जबकि दोनों कर्मचारियों को बचाने गए फायरब्रिगेड के एक जवान को गैस का असर पर होने वह बेहोश हो जाने पर उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

7 से 13 फरवरी तक वीजापुर-आंबलियासन रेलबस सेवा निरस्त रहेगी

अहमदाबाद (ईएमएस)। पश्चिम रेलवे द्वारा जारी विज्ञप्ति के मुताबिक वीजापुर-आंबलियासन पर मरम्मत कार्य हेतु 7 से 13 फरवरी तक रेल बस सेवा निरस्त रहेगी। अहमदाबाद पश्चिम रेलवे द्वारा जारी विज्ञप्ति के मुताबिक 7 फरवरी से 13 फरवरी तक वीजापुर-आंबलियासन रुट पर भारी मरम्मत कार्य शुरु किया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com